Maharashtra State Board Class 10 Hindi Lokbharti Chapter 5 ईमानदारी की प्रतिमूर्ति

Hindi Lokbharti 10th Std Digest Chapter 5 ईमानदारी की प्रतिमूर्ति Textbook Questions and Answers

कृति

कृतिपत्रिका के प्रश्न 1 (अ) तथा 1 (आ) के लिए
सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

प्रश्न 1.
संजाल पूर्ण कीजिए:

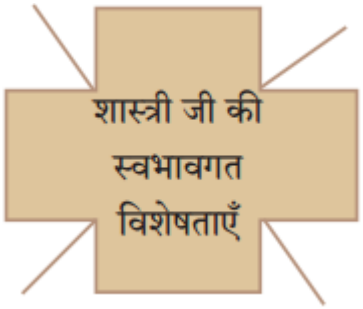

उत्तर:

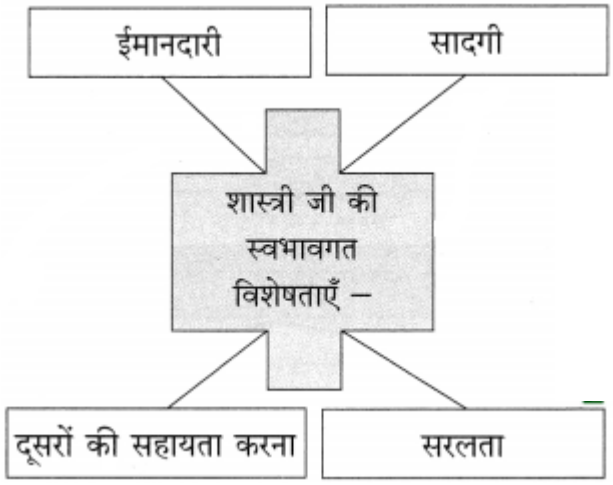

प्रश्न 2.
परिणाम लिखिए:
a. सुबह साढ़े पाँच-पौने छह बजे दरवाजा खटखटाने का –
२. साठ पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से पैसे जमा करवाने का-

उत्तर:
a. सुबह साढ़े पाँच-पौने छह बजे दरवाजा खटखटाने का – नींद टूटना और बड़ी तेज आवाज में बोलना।
b. साठ पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से पैसे जमा करवाने का – पिता की यह बात सुनकर दोनों भाई वहाँ रुक नहीं सके। कमरे में जाकर देर तक फूट-फूटकर रोते रहे।

प्रश्न 3.
पाठ में प्रयुक्त गहनों के नाम:

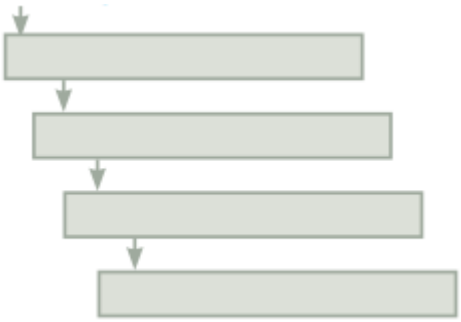

उत्तर:

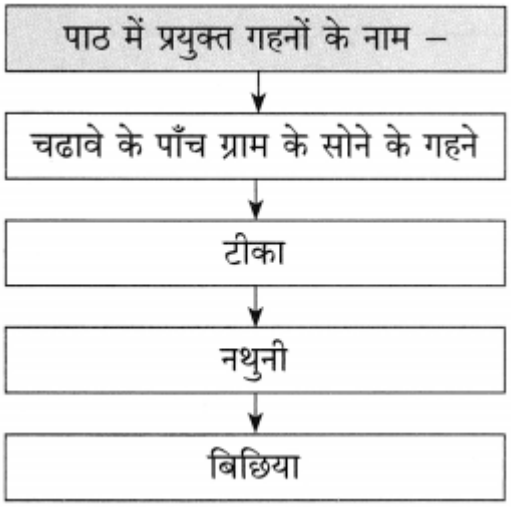

प्रश्न 4.
वर्ण पहेली से विलोम शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढकर लिखिए:

दु	अ	ग	प	------- ×------
सु	बु	स	रा	------- ×------
रु	ख	×	ला	------- ×------
प्र	भ	यो	न्न	------- ×------

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:
(i) दुख x सुख
(ii) बुरा x भला
(iii) प्रसन्न x अप्रसन्न
(iv) सदुपयोग x दुरुपयोग।

प्रश्न 5.
पर जो असल गहना है वह तो है' इस वाक्य से अभिप्रेत भाव लिखिए।
उत्तर:
स्त्री के सोने-चाँदी, हीरे-मोती के गहने उसके शरीर के बाह्य श्रृंगारिक गहने होते हैं। ये गहने स्थायी नहीं होते। स्त्री का असली गहना तो उसका पति होता है, जो जीवन भर उसका साथ निभाता है।

प्रश्न 6.
कुरते के प्रसंग से शास्त्री जी के इन गुणों (स्वभाव) का पता चलता है: १. _____ १. _____

प्रश्न 7.
पाठ में प्रयुक्त परिमाणों की सूची तैयार कीजिए:
a. _____ b. _____
उत्तर:
a. ग्राम, किलोमीटर, पैसे। साढ़े (पाँच), पौने (छह)।
b. पल, मिनट, बजे, सप्ताह, महीना।

प्रश्न 8.
'पर' शब्द के दो अर्थ लिखकर उनका स्वतंत्र वाक्य में प्रयोग कीजिए। १. _____ १. _____
उत्तर:
a. पर-अर्थ: पक्षी का पंख, डैना।
वाक्य: गिद्ध के पर बहुत बड़े और भारी होते हैं।

b. पर-अर्थ: लेकिन, परंतु।
वाक्य: सरकार ने किसानों के कर्ज माफ करने की घोषणा कर दी, पर उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

(अभिव्यक्ति)

प्रश्न.
'सादा जीवन, उच्च विचार' विषय पर अपने विचार लिखिए।
उत्तर:
संसार में दो प्रकार के मनुष्य होते हैं। एक वे, जो भौतिक सुखों को ही अपने जीवन का उद्देश्य मानते हैं। इनके लिए किसी भी तरह धन-दौलत तथा सुख-सुविधा की वस्तुएँ प्राप्त करना अनुचित नहीं होता। दूसरे प्रकार के मनुष्य हर स्थिति में अपने आप को संतुष्ट रखते हैं। ये अपने सीमित साधनों से अपना और अपने परिवार का निर्वाह करते हैं और प्रसन्न रहते हैं।

इनका रहन-सहन साधारण ढंग का होता है। विलासितापूर्ण वस्तुएँ इन्हें प्रभावित नहीं कर पातीं। वे केवल जीवनावश्यक वस्तुओं से अपना गुजारा कर लेते हैं, पर ईमानदारी, सच्चरित्रता, सच्चाई, सरलता तथा दूसरों के प्रति सहानुभूति रखना वे अपने जीवन का आदर्श मानते हैं। हमारे देश के संतों, महात्माओं तथा महापुरुषों का जीवन इसी तरह का रहा है। इन महापुरुषों को जनता आज भी याद करती है और उनका गुणगान करती है। सादा जीवन उच्च विचार को हर युग में हमारे यहाँ मान्यता मिली है और इन्हें अपने जीवन का मूलमंत्र मानकर ही मनुष्य सुखी रह सकता है।

भाषा बिंदु

प्रश्न 1.
निम्नलिखित वाक्यों को व्याकरण नियमों के अनुसार शुद्ध करके फिर से लिखिए: [प्रत्येक वाक्य में कम-से-कम दो अशुद्धियाँ हैं]
1. करामत अली गाय अपनी घर लाई।
2. उसने गाय की पीठ पर डंडे बरसाने नहीं चाहिए थी।
3. करामत अली ने रमजानी पर गाय के देखभाल का जिम्मेदारी सौंपी।
4. आचार्य अपनी शिष्यों को मिलना चाहते थे।
5. घर में तख्ते के रखे जाने का आवाज आता है।
6. लड़के के तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कोई कहना चाहा।
7. सिरचन को कोई लड़का-बाला नहीं थे।
8. लक्ष्मी की एक झूब्बेदार पूँछ था।
9. कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला के पुस्तक को पढ़ने लगे।
10. डॉ. महादेव साहा ने बाजार से नए पुस्तक को खरीदा।
11. लेखक गोवा को गए उनकी साथ साढू साहब भी थे।
12. टिळक जी ने एक सज्जन के साथ की हुई व्यवहार बराबर थी।
13. रंगीन फूल की माला बहोत सुंदर लग रही थी।

https://www.evidyarthi.in/

14. बूढ़े लोग लड़के और कुछ स्त्रियाँ कुएँ पर पानी भर रहे थे।
15. लड़का, पिता जी और माँ बाजार को गई।
16. बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।
17. गोवा के बीच पर घूमने में बड़ी मजा आई।
18. सामने शेर देखकर यात्री का प्राण मानो मुरझा गया।
19. करामत अली के आँखों में आँसू उतर आई।
20. मैं मेरे देश को प्रेम करता हूँ।

उत्तर:
1. करामत अली गाय अपने घर ले आए।
2. उसे गाय की पीठ पर डंडे नहीं बरसाने चाहिए थे।
3. करामत अली ने रमजानी पर गाय की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी।
4. आचार्य अपने शिष्यों से मिलना चाहते थे।
5. घर में तख्ता रखे जाने की आवाज आती है।
6. लड़के की तरफ मुखातिब होकर रामस्वरूप ने कुछ कहना चाहा।
7. सिरचन को कोई बाल-बच्चा नहीं था।
8. लक्ष्मी की एक झब्बेदार पूँछ थी।
9. कन्हैयालाल मिश्र जी बिड़ला की पुस्तक पढ़ने लगे।
10. डॉ. महादेव साहा ने बाजार से नई पुस्तक खरीदी।
11. लेखक गोवा गए और उनके साथ उनके साढू साहब भी थे।
12. टिळक जी द्वारा एक सज्जन के साथ किया हुआ व्यवहार सही था।
13. रंगीन फूलों की माला बहुत सुंदर लग रही थी।
14. बूढ़े, लड़के और कुछ स्त्रियाँ कुएँ से पानी भर रहे थे।
15. लड़का, पिताजी और माँ बाजार गए।
16. बरसों बाद पंडित जी को मित्र के दर्शन हुए।
17. गोवा के बीच पर घूमने में बड़ा मजा आया।
18. सामने शेर देखकर यात्री के प्राण मानो मुरझा गए।
19. करामत अली की आँखों में आँसू उतर आए।
20. मैं अपने देश को प्यार करता हूँ।

उपयोजित लेखन

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए। उसे उचित शीर्षक दीजिए।

गाँव में लड़कियाँ-सभी पढ़ने में होशियार-गाँव में पानी का अभाव-लड़कियों का घर के कामों में सहायता करना-बहुत दूर से पानी लाना-पढ़ाई के लिए कम समय मिलनालड़कियों का समस्या पर चर्चा करना-समस्या सुलझाने का उपाय खोजना-गाँववालों की सहायता से प्रयोग करना-सफलता पाना-शीर्षक।

उत्तर:

राघोपुर आदिवासियों की आबादीवाला काफी बड़ा गाँव था। यह गाँव कस्बे और शहर से बहुत दूर था। इसलिए इस गाँव में विकास के नाम पर एक सेकेंडरी स्कूल चालू करने के अलावा कुछ भी नहीं किया गया था। गाँव के लड़के-लड़कियाँ इसी स्कूल में पढ़ते थे।

राघोपुर में पीने के पानी का भारी संकट था। इसलिए लोगों को एक किलोमीटर दूर किसनपुर से पानी लाना पड़ता था। किसनपुर के सरपंच ने गाँव वालों के सहयोग से एक बड़े कुएँ का निर्माण करवाया था। उस कुएँ में बहुत पानी था। उस कुएँ से दूर-दूर के गाँवों के लोग पीने का पानी ले जाते थे।

राघोपुर की लड़कियाँ घर के काम-काज में तो मदद करती ही थीं, किसनपुर से पीने का पानी लाने का काम भी उन्हींके जिम्मे होता था। इसलिए लड़कियों की पढ़ाई में इससे बाधा पहुँचती श्री।

एक दिन किसनपुर का सरपंच अपने गाँव के कुएँ की सफाई करवा रहा था। इसलिए राघोपुर की लड़कियों को कुएँ से पानी लेने में काफी देर हो गई। इसलिए लड़कियाँ उस दिन स्कूल नहीं जा सकी। सरपंच को इससे बहुत दुख हुआ।

सरपंच ने लड़कियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, "तुम सब अपने गाँव में कुआँ खोदना शुरू करो। मैं तुम्हारी मदद करूँगा।" यह सुनकर लड़कियों को बहुत खुशी हुई। उन्होंने गाँव में आकर यह बात गाँव के लोगों को बताई। लड़कियों ने उसी दिन से कुआँ खोदने की शुरुआत कर दी। वे पढ़ाई और काम-धाम से बचा समय कुआँ खोदने में लगाने लगीं। उनकी देखादेखी गाँव वाले भी इस काम जुटने लगे।

एक दिन कुआँ खुदकर तैयार हो गया और उसके छोटे से गाँव के लोगों के प्रतिदिन के उपयोग करने भर का पर्याप्त पानी निकल आया। अब गाँव की लड़कियों का समय दूसरे गाँव से पानी लाने में बर्बाद नहीं होता था। वे पूरे समय स्कूल में पढ़ाई करने लगी।। गाँव के लोग भी बहुत प्रसन्न थे।

शीर्षक: सूझबूझ का फल

https://www.evidyarthi.in/